

ओमशान्ति मीडिया



मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -14 अंक -1 अप्रैल - I, 2013

(पाक्षिक)

माउण्ट आबू

मूल्य 7.50 रु.

सात्विकता को अपनाने का पर्व है शिव जयंति साप्ताहिक शिवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम



लेना ही पर्व की सार्थकता नहीं है। विकारों व बुरी आदतों का त्याग करना ही शिव के प्रति श्रद्धा दर्शाने का माध्यम है। भगवान भोलेनाथ के ऊपर अपनी सारी बुराइयों को अर्पण कर सदगुणों से अपने जीवन को सजा लेना चाहिए। सदैव हमें एक दूसरे के गुण ही दिखाई दें। जिस तरह परमात्मा दूसरों के अवगुणों को अपने चित्त पर नहीं रखते उसी प्रकार हमें भी ऐसा अपना स्वभाव बनाना चाहिए।

संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि शिव जयंती हमेशा अंधकार से प्रकाश की ओर यात्रा करना सिखाती है। 'मेरा बाबा, मीठा बाबा, प्यारा बाबा' ऐसी डायमण्ड चाबी है जिससे सदा खुश रह सकते हैं। सभी इस अवसर पर एक दृढ़ संकल्प करें कि वे सदा



ज्ञानसरोवर

संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि देह का चिन्तन करने से आत्मा के ऊपर विकारों की परत चढ़ती है अतः अपनी वृत्ति को सम्पूर्ण रूप से निर्विकारी बनाने की जरूरत है। ज्ञान सरोवर अकादमी निदेशिका डॉ. निर्मला दीदी ने कहा कि राजयोग के जरिए व्यर्थ संकल्पों से मुक्त होने का दृढ़ संकल्प करें।

-शेष पेज 8 पर

महाशिवरात्रि पर्व पर शिवध्वज लहराने के पश्चात दीप प्रज्वलित करते हुए दादी जानकी, दादी हृदयमोहिनी, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.मोहिनी, ब्र.कु.मुन्नी, डॉ.निर्मला दीदी व ब्र.कु.सुदेश।

पाण्डव भवन (माउण्ट आबू)। जैसे भक्त शिवरात्रि पर मंदिरों में जाकर शिव बाबा पर विशेष लोटी चढ़ाते, जागरण करते ऐसे ही हम बच्चे भी अपनी सूक्ष्म कमी कमजोरियों की लोटी शिव बाबा पर चढ़ाकर यही शुभ संकल्प करें कि हम देह अभिमान से मुक्त रहेंगे। मन की शक्तियों द्वारा दुखी, अशांत आत्माओं को सूक्ष्म सकाश देने की सेवा करेंगे।

उक्त विचार ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने संस्था के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय पाण्डव भवन में साप्ताहिक शिवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त

किए। उन्होने कहा कि कहा कि मन वचन कर्म से सम्पूर्ण पावन बन पावन दुनिया बनायेंगे। सदा निर्विघ्न रह दूसरों को निर्विघ्न बनायेंगे। ऐसे शुभ संकल्प करते हुए शिव पिता की यादों का झण्डा लहराते हुए सभी को ईश्वरीय संदेश दें।

परमात्मा द्वारा सुखमय संसार लाने का महती कर्तव्य करने का यादगार है शिव जयंती पर्व। पर्वों को केवल बाह्य कर्मकाण्डों के रूप में मना

**व्यर्थ से मुक्त होकर
खुशमिजाज चेहरे द्वारा
सबको खुशी की
अनुभूति कराएं।**

परमात्मा के नजदीक रहने का अभ्यास कर, सच्चा उपवास करेंगे। सहिष्णुता व धार्मिक एकता की प्रेरणा देने का पर्व है महाशिवरात्रि। ईश्वरीय ज्ञान एक दर्पण की तरह है जो हमारी आंतरिक स्थिति को सर्व के समक्ष स्पष्ट करता है।



ओम शान्ति भवन



पाण्डव भवन

महाशिवरात्रि पर्व पर ओमशान्ति भवन तथा पाण्डव भवन में शिवध्वज फहराने के अवसर पर भारत तथा विश्व के विभिन्न देशों से आए ब्रह्माकुमार भाई-बहनें परिलक्षित हो रहे हैं।